संपर्क सरिता

वर्ष–2022–23 अंक–05 अप्रैल–जून 2022 सम्पर्क सरिता

संपादक–मंडल

संरक्षक
श्री सी.पी. शर्मा

निदेशक
डॉ. सी.सी. त्रिपाठी

संपादक
प्रो. पी.के. पुरोहित

सह–संपादक
श्रीमती शोभा लेखवानी

डिज़ाइन
श्री जितेन्द्र चतुर्वेदी

सहयोग
श्रीमती साधना त्रिपाठी

छायांकन
श्री रितेन्द्र पवार

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
शिक्षा मंत्रालय,
भारत सरकार,
शांति मार्ग, शामला हिल्स,
भोपाल 462002,
(म.प्र.) भारत

प्रो.सी.सी. त्रिपाठी ने ग्रहण किया निटर निदेशक का कार्यभार

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने निदेशक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं प्रशासकीय क्षमता के धनी प्रो. त्रिपाठी इसके पूर्व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीटयूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी के निदेशक के साथ–साथ विभिन्न पदों पर रह चुके हैं।

प्रो. त्रिपाठी के कार्यभार ग्रहण करने पर संचालक मंडल के अध्यक्ष श्री सी पी शर्मा सहित संस्थान के संकाय सदस्यों/अधिकारियों कर्मचारियों ने प्रो. त्रिपाठी को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में संस्थान सफलता के नये शिखर को छुएगा।

विश्व की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षक निर्माण करें: प्रो.सी.सी. त्रिपाठी

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने निदेशक पद का कार्यभार ग्रहण करने के बाद सभी विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठातागण के साथ बैठक कर संस्थान द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इस बैठक में निदेशक महोदय ने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में किये गये कार्यों एवं भविष्य में आने वाली चुनौतियों पर बात की। उन्होंने कहा कि संस्थान में कार्यरत हर व्यक्ति महत्वपूर्ण एवं अद्वितीय है एवं अपने–अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर रहा है। संस्थान विकास हेतु हम सभी को रचनात्मक एवं सकारात्मक भूमिका निभाते हुए नये उत्तरदायित्वों हेतु पहल करनी चाहिए।

उन्होंने संस्थान के प्रत्येक विभाग को शिक्षण में नवाचार एवं शोध कार्य करने को प्रेरित किया, साथ ही शोध, शिक्षण एवं प्रशिक्षण को समाज के लिए उपयोगी कैसे बनायें, नवीन प्रौद्योगिकी एवं भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को शिक्षकों के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुंचाना, स्टार्टअप, उद्यमिता हेतु सहयोग आदि विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम ग्लोबल की बात जरूर करें लेकिन लोकल को ना भूलें।

प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि आज हमें 21वीं सदी के लिए विश्व की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षक निर्माण का कार्य करना है। समय के साथ–साथ शिक्षकों की भूमिका में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। प्रौद्योगिकी के नवीन क्षेत्र, सहयोगी एवं अनुभवात्मक ज्ञान, संगठनात्मक व्यवहार एवं बहुविषयक शिक्षा आदि क्षेत्रों में कार्य करना समय की मांग है। हम इस दिशा में शीघ्र पहल करने जा रहे है। संस्थान द्वारा इंडस्ट्री 4.0 और डिजिटलीकरण के क्षेत्र में उच्च कौशल प्रशिक्षण, औद्योगिक परामर्श और अनुसंधान कार्य प्रदान करने के लिए स्थापित उत्कृष्टता केन्द्र एवं टीचिंग लर्निंग सेन्टर द्वारा संयुक्त रूप से शिक्षण सहायता सामग्री का विकास करेंगे एवं उसके बौद्धिक संपदा अधिकार को संरक्षित कर उसके व्यवसायीकरण में सहायता प्रदान करेंगे।

हमें उद्योग जगत के साथ एक मजबूत साझेदारी करते हुए उनके अनुभवों को अपने शिक्षक एवं विद्यार्थियों तक पहुंचाने का कार्य करना होगा। देशभर में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित कर उन्हें रिकॉर्ड करें। प्रो. त्रिपाठी ने निटर, भोपाल द्वारा तकनीकी शिक्षकों हेतु बनाये गये मूक कार्यक्रमों की भी सराहना की। निदेशक महोदय ने सभी विभागों का भ्रमण कर हर विभाग में कार्यरत सभी सदस्यों से चर्चा कर उन्हें भविष्य की कार्य योजना बनाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने विभागों को निर्देशित किया कि प्रयोगशालाओं को समय के साथ अपडेट करें। विभागों में उपलब्ध सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षणार्थियों द्वारा समुचित उपयोग हो। संस्थान की लायब्रेरी एवं ट्रेनिंग हॉस्टल सर्वसुविधाओं से युक्त हों।

प्रो. त्रिपाठी ने संस्थान द्वारा बनाये गये शिक्षण एवं सीखने के सभी संसाधनों को मातृभाषा हिन्दी में अनुवाद किये जाने का सुझाव दिया। संस्थान परिवार के सदस्यों ने आशा व्यक्त की कि प्रो. त्रिपाठी के मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं नेतृत्व में संस्थान नई ऊर्जा के साथ सकारात्मक पहल करेगा।

एक्जीक्यूटिव ट्रेनी हॉस्टल का उद्घाटन

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में 200 बेड वाले सर्वसुविधा युक्त एक्जीक्यूटिव ट्रेनी हॉस्टल का उद्घाटन संचालक मंडल के अध्यक्ष श्री सी. पी. शर्मा एवं निदेशक प्रो. सी. थंगराज के कर कमलों द्वारा किया गया। इस हॉस्टल का देशभर से प्रशिक्षण लेने आने वाले प्रशिक्षणार्थियों को विशेष रूप से लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर श्री सी. पी. शर्मा ने कहा कि निटर, भोपाल अपनी सेवाओं में विश्वस्तरीय गुणवत्ता एवं सुविधा देने हेतु संकल्पबद्ध है। तीन मंजिला इस हॉस्टल में सभी कक्ष एयरकंडीशन हैं। हरितभवन (ग्रीन बिल्डिंग) आधारित इस होस्टल में वाटर हार्वेस्टिंग के साथ योगा, मनोरंजन कक्ष, बेडमिन्टन कोर्ट, जिम, इन्डोर गेम्स, लॉन्ड्री सुविधा, शुद्धपेय जल, मैस, फायर फाईटिंग, लिफ्ट आदि की सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

एनआईटीटीटीआर भोपाल में उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना

एनआईटीटीटीआर, भोपाल ने इंडस्ट्री 4.0 और डिजिटलीकरण के क्षेत्र में उच्च कौशल प्रशिक्षण, औद्योगिक परामर्श और अनुसंधान कार्य प्रदान करने के लिए सीमेंस इंडस्ट्री सॉफ्टवेयर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर संयुक्त रूप से उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किया है। एनआईटीटीटीआर, भोपाल के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी के अनुसार निटर, भोपाल सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना के माध्यम से शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने जा रहा है। यह केन्द्र नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार स्पेशलाईज्ड लेब में उद्योग जगत के लिए मानव संसाधन की आवश्यकता को भी पूर्ण करेगा। इस केन्द्र में बहु–विषयक विषयों के 300 से ज्यादा स्नातक स्तर के विद्यार्थी एक साथ रियल लाईफ की इंजीनियरिंग प्रॉब्लम्स पर सिम्यूलेशन टूल्स व हाई एण्ड हार्डवेयर के माध्यम से अपेक्षित परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। इस केन्द्र में विद्यार्थी 4 से 6 सप्ताह एवं 6 माह की समर ट्रेनिंग के साथ अनुसंधान कर सकेंगे।

केन्द्र संचालन समिति के अध्यक्ष प्रो. के.के. जैन के अनुसार उत्कृष्टता केन्द्र में ग्यारह प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए सीमेंस इंडस्ट्री सॉफ्टवेयर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (प्रौद्योगिकी भागीदार) के साथ मेसर्स 3–डी इंजीनियरिंग ऑटोमेशन एलएलपी, पुणे (निष्पादन भागीदार) के साथ समझौता ज्ञापन किया गया था। ये ग्यारह प्रयोगशालाएं जिनमें एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, सीएनसी कंट्रोलर, इलेक्ट्रिकल एंड एनर्जी सेविंग, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस डिजिटलाइजेशन, मेकाट्रोनिक्स, प्रोसेस ऑटोमेशन एंड इंस्ट्रुमेंटेशन, प्रोडक्ट डिजाइन एंड वैलिडेशन, रोबोटिक्स, सिमुलेशन, ऑप्टिमाइजेशन एण्ड टेस्ट

लैब सम्मिलित हैं। सचिव प्रो. अजय सराठे के अनुसार यह केंद्र छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने और उद्योगों की नवीनतम आवश्यकताओं के बारे में जागरूक करने के साथ–साथ विभिन्न नवीनतम क्षेत्रों में शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकता को भी पूर्ण करेगा। डीन कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशल रिलेशन्स प्रो. शरद प्रधान के अनुसार संस्थान ने विभिन्न उद्योगों के साथ समझौता संधि पत्र भी निष्पादित किए हैं, ताकि सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स से संस्थान और उद्योग जगत दोनों को लाभान्वित किया जा सके।

निटर भोपाल ने उद्योगों के साथ किया करार

संस्था के डीन कॉरपोरेट और अंतर्राष्ट्रीय संबंध प्रो. शरद प्रधान के अनुसार वर्तमान में विश्व ''डिजिटलाइजेशन एवं ग्रीन'' ट्रांजीशन के दौर से गुजर रहा है। आज देश के मानव संसाधन को आई.आर. 4.0 के अनुसार शिक्षण प्रशिक्षण की आवश्यकता है। देश के तकनीकी एजुकेशन

सिस्टम को इन नवीन आई.आर. 4.0 आधारित स्किल सेट के लिए तैयार करना एक चुनौती है और इस दिशा में राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रयास किए जा रहे हैं जैसे ए.आई.सी.टी.ई. ने तकनीकी संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण को अनिवार्य कर दिया है।

इस दिशा में निदेशक, एन.आई.टी.टी.टी.आर, भोपाल ने भी तकनीकी शिक्षकों की औद्योगिक प्रशिक्षण हेतु कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनमें ''एन.आई.टी.टी.टी.आर, भोपाल – सीमेंस''

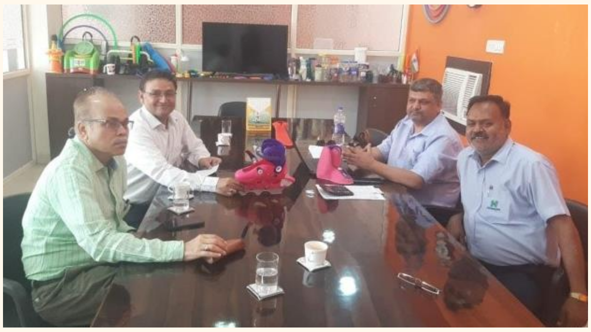

उत्कृष्टता केन्द्र को स्थापित करना एवं उद्योगों से करार करना शामिल है ताकि तकनीकी शिक्षकों को आवश्यकता आधारित औद्योगिक प्रशिक्षण दी जा सके। इस हेतु संस्था ने पिछले 6 माह में लगभग 30 उद्योगों से संपर्क किया और 20 उद्योगों के

साथ अनुबंध किया जिनमें आई.टी.एल. इंडस्ट्री लिमिटेड, इंदौर; जेस प्रिसीशन टूल्स प्राइवेट लिमिटेड, इंदौर; समर्पण इंजीनियर एंड मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड, इंदौर; गेब्रियल इंडिया लिमिटेड, देवास; ए.वी.आर.एन. इंटेलीटेक प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल; सुव्रत इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मंडीदीप;

डी–लिंक लिमिटेड, मुंबई; डायकैम इंडिया लिमिटेड, मुंबई; आइडियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई; स्पार्कोनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पुणे; लार्सन एंड टुब्रो स्किल ट्रेनिंग अकादमी, मुंबई; कौशल विकास संचालनालय म.प्र.; 3डी इंजीनियरिंग ऑटोमेशन, पुणे प्रमुख हैं।

इन अनुबंधों में संस्था के संकायगण प्रो. के.के. जैन, प्रो. अजय सराठे, प्रो. वंदना सोमकुंवर, प्रो. पी.के. पुरोहित, प्रो. संजय अग्रवाल, प्रो. एम.ए. रिज़वी, प्रो. निशिथ दुबे, प्रो. सुब्रत रॉय, प्रो. एम. सी. पालीवाल एवं प्रो. एस.एस. केदार ने सहयोग दिया।

यह अनुबंध, उद्योग, कौशल प्रशिक्षण प्रदाता एवं एन.आई.टी.टी.टी.आर, भोपाल के हितों का ध्यान रखते हुए निम्न प्रमुख आधार पर किए गए :

- तकनीकी शिक्षकों को ''एन.आई.टी.टी.टी.आर, भोपाल – सीमेंस'' उत्कृष्टता केन्द्र व उद्योगों के माध्यम से सार्थक प्रशिक्षण देना।
- औद्योगिक ज्ञान एवं व्यवहार को रिकॉर्ड कर इनसे संबंधित शिक्षण अधिगम सामग्री निर्मित करना।
- औद्योगिक विशेषज्ञों के ज्ञान एवं अनुभव का एन.आई.टी.टी.टी.आर, भोपाल के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपयोग करना।
- उद्योग कर्मियों को उद्योग संबंधित कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना।
- उद्योगों से संबंधित शोध समस्या को पहचान कर, उनका अनुसंधान के माध्यम से समाधान ढूंढना।

- संयुक्त अनुसंधान एवं प्रशिक्षण प्रस्ताव प्रस्तुत करना।
- संयुक्त रूप से संगोष्ठी व सेमिनार का आयोजन करना।
- साझेदार नेटवर्क की स्थापना एवं विस्तार करना।

इन अनुबंधों के माध्यम से संस्था के तकनीकी शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों को उद्योगों से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है जिससे तकनीकी शिक्षकों के औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता व प्रासंगिकता बढ़ायी जा सके।

निटर, भोपाल के पूर्व छात्र श्री हसन शेख मेहमूद दूसरी बार बने सोमालिया राष्ट्रपति

निटर, भोपाल में मास्टर ऑफ टेक्निकल एजुकेशन पाठ्यक्रम के 1986–88 सत्र में अध्यनरत् श्री हसन शेख मेहमूद दूसरी बार सोमालिया के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। दिनांक 17 मई 2022 को निटर, भोपाल के निदेशक श्री सी.सी. त्रिपाठी ने श्री शेख को बधाई देते हुए कहा कि निटर, भोपाल के लिये यह बड़े गौरव की बात है कि श्री हसन शेख मेहमूद ने अपने छात्र जीवन का महत्वूर्ण समय निटर, भोपाल में बिताया है। प्रो. त्रिपाठी ने श्री हसन शेख मेहमूद को लिखे पत्र में बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रपति के पद पर आपके पुनः निर्वाचन पर बधाई।

आपका राष्ट्रपति पद पर पुनःनिर्वाचन सोमालिया की जनता का आपके नेतृत्व, दृष्टिकोण एवं समर्पण के प्रति उनके विश्वास को दर्शाता है। आशा है कि आपके नेतृत्व में सोमालिया विश्व पटल पर नित–नई प्रगति एवं उन्नति के शिखर को छुएगा। यह हम सभी के लिए गौरव के क्षण हैं। निटर, भोपाल परिवार अपने इस पूर्व प्रिय विद्यार्थी की उपलब्धि पर गौरवान्वित है। निटर, भोपाल आशा करता है कि हमारे आत्मीय संबंध और प्रगाढ़ होंगें। निटर, भोपाल को सोमालिया के तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आउटकम बेस्ड एजुकेशन एवं इंडस्ट्री 4.0 के क्षेत्र में सहयोग करने में प्रसन्नता होगी। हम सभी ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनका आशीर्वाद आप पर इसी तरह बना रहे ।

महामहिम श्री हसन शेख मेहमूद सोमालिया राष्ट्रपति के प्रथम कार्यकाल में दिनांक 31 अक्टूबर 2015 को एक विशेष दीक्षांत समारोह में भाग लेने भोपाल आये थे। निटर, भोपाल परिवार ने गरिमामय समारोह आयोजित कर उनका भव्य स्वागत किया था।

निटर, भोपाल में श्री हसन शेख ने उनके छात्र जीवन में बनी फिल्म का अवलोकन किया था। जिसे संस्थान द्वारा सहेज कर रखा गया है। श्री हसन शेख मेहमूद ने अपने उद्‌बोधन में अपने पुराने दिनों के साथियों एवं शिक्षकों को याद करते हुए सभी से व्यक्तिगत रूप से मिलकर शुभकामनाएं ली थीं। श्री शेख ने अपने उदबोधन में कहा था कि उनके द्वारा भोपाल से प्राप्त की गई शिक्षा अफ्रीकी देशों की प्रगति में उनके योगदान के लिये बहुत सहायक रही है। यह सुखद आश्चर्य था कि इतने वर्षो के बाद भी श्री हसन शेख मेहमूद ने अपने सभी शिक्षकों के साथ पुराने अनुभवों को याद किया था। किसी राष्ट्र के सर्वोच्च पद पर पहुंचा व्यक्ति उस दिन अपने शिक्षकों से एक छात्र के रूप में बड़ी सहजता से मिला जो कि एक सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति की अपने शिक्षकों एवं शिक्षण संस्थान के प्रति आस्था एवं प्रेम की एक अनुपम अभिव्यक्ति थी।

राजभाषा पत्रिका ''संपर्क सरिता'' का विमोचन

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में राजभाषा पत्रिका ''संपर्क सरिता'' का विमोचन दिनांक 13 मई 2022 को निटर, निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस अवसर पर पत्रिका के संपादक डॉ. पी.के. पुरोहित ने बताया कि राजभाषा पत्रिका ''संपर्क सरिता'' का प्रकाशन गत 23 वर्षों से किया जा रहा है। इस पत्रिका में संस्थान द्वारा देशभर में आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम, विभिन्न गतिविधियां, परियोजनाएं, विदेशी शिक्षकों के लिये आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम, उद्योग जगत के लिए आयोजित किये जाने कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी सचित्र प्रकाशित की जाती है।

''संपर्क सरिता'' के माध्यम से देशभर के विभिन्न संस्थानों के साथ सतत् संपर्क कायम रहता है। वर्तमान में संपर्क सरिता को ई–पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इस अवसर पर संस्थान के संकाय/अधिकारीगण/कर्मचारीगण उपस्थित थे।

एआईसीटीई 360 डिग्री फीडबैक विषय पर वेबीनार

संस्थान ने एआईसीटीई 360^0 फीडबेक विषय पर दो वेबीनार का आयोजन दिनांक 08 अप्रैल एवं 29 अप्रैल 2022 को किया। इन वेबीनार में लगभग 160 प्राचार्यों, विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने भाग लिया। एआईसीटीई 360^0 फीडबेक गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से तकनीकी संस्थाओं के लिए अनिवार्य बनाया गया है। इस फीडबेक प्रणाली के मुख्य अवयव हैं सीखने की प्रणाली, विद्यार्थियों का फीडबेक, विभाग की गतिविधियां, संस्थान की गतिविधियां, गोपनीय चरित्रावली एवं समुदाय के लिए योगदान। एआईसीटीई 360^0 फीडबेक के लिए तकनीकी संस्थाएं उनके विभाग, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी एआईसीटीई नई दिल्ली की वेबसाइट पर पंजीकरण करते

हैं एवं फीडबेक प्रदान करते हैं। इस फीडबेक का उपयोग शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने एवं बेहतर प्रदर्शन करने वाली संस्थाओं, विभागों एवं प्राध्यापकों को पुरुस्कृत करने हेतु किया जाता

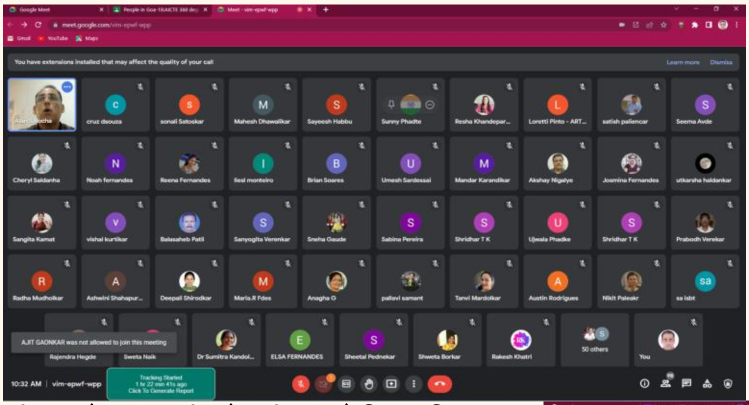

है। वेबीनार के प्रतिभागियों को प्रो. सी. थंगराज, निदेशक, एनआईटीटीटीआर, भोपाल डॉ. कामथ विवेक बी, संचालक तकनीकी शिक्षा गोवा, एआईसीटीई के पूर्व निदेशक कर्मचारी विकास कर्नल बी. वेंकट, श्री अविनाश कुलकर्णी, एवं श्री राकेश खत्री ने भी संबोधित किया। कर्नल वेंकट ने एआईसीटीई 360 डिग्री की प्रासंगिता पर विस्तृत चर्चा की एवं श्री कुलकर्णी एवं श्री खत्री ने पूर्ण ऑनलाईन प्रक्रिया के प्रभावी संचालन के बारे में बताया। वेबीनार में प्रतिभागियों द्वारा कई प्रश्न किये गये जिनका

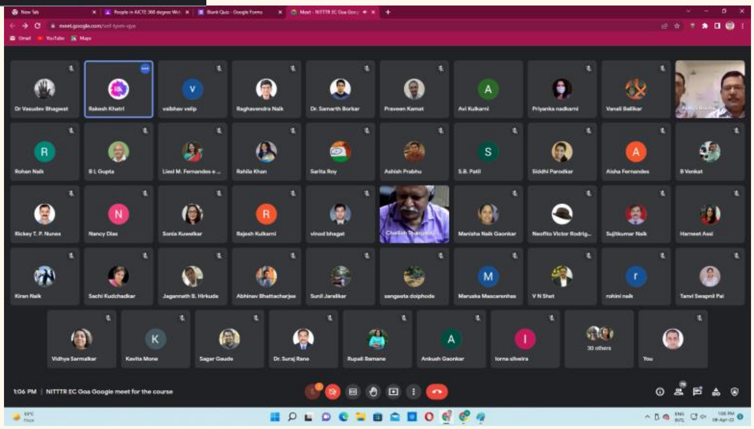

समाधान स्रोत व्यक्तियों द्वारा किया गया। वेबीनार का समन्वयन प्रो. बी.एल. गुप्ता एवं प्रो. संजय रोचा ने किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबीनार

संस्थान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर दिनांक 6 मई 2022 को एक वेबीनार का आयोजन किया जिसमें देश की विभिन्न तकनीकी संस्थाओं के 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस वेबीनार में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। वेबीनार को मुख्य रूप से चार सत्रों में आयोजित किया गया। पहले सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुख्य एवं विशिष्ट प्रावधानों पर चर्चा की गई। दूसरे सत्र में उच्च शिक्षा का व्यवसायीकरण तीसरे सत्र में प्रशिक्षण एवं शोध एवं चौथे सत्र में मुख्य सीख पर चर्चा की गई। वेबीनार का आयोजन प्रो. बी.एल. गुप्ता एवं प्रो. आर. बी. शिवगुन्डे एवं प्रो. संजय रोचा ने किया।

तकनीकी उद्यमिता शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग

तकनीकी उद्यमिता शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा कौशल विकास को प्रोत्साहन देने हेतु एवं नई शिक्षा नीति 2020 के मुख्य बिन्दु जिसमें तकनीकी शिक्षा में कौशल विकास नवाचार एवं बहुभाषावाद और शिक्षण में जीवन कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न कंपनियों से आए अधिकारियों द्वारा 19 मई 2022 को प्रस्तुतिकरण एवं कार्यक्रम का प्रदर्शन संस्थान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी सहित विभाग के संकाय सदस्य डॉ. निशिथ दुबे, डॉ. आर.पी. खम्बायत, डॉ. अंजना तिवारी एवं डॉ. समीना उपस्थिति थीं।

इस बैठक में सनाको भाषा प्रयोगशाला सॉफ्टवेयर, दिल्ली और स्टेशन–ई इन्फॉर सर्विस प्राईवेट लिमिटेड, डिजीटल लेब, गुजरात से आए अधिकारी श्री आशीष चड्डा एवं श्री भाविन दुधाटिया ने अपने उत्पादनों का संक्षिप्त प्रस्तुतिकरण एवं प्रदर्शन किया। यह एक महत्वपूर्ण आयोजन रहा तथा भविष्य में विभाग द्वारा कौशल विकास से जुड़ी गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कंपनी का परिचय देते हुए श्री आशीष ने कहा कि विभिन्न सॉफ्टवेयर और डिजिटल सिस्टम के माध्यम से कौशल विकास पर प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे छात्रों और शिक्षकों को लाभान्वित किया जा सके।

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में पर्यावरण दिवस का आयोजन

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान परिसर में एनडीआरएफ के सौजन्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निटर, भोपाल निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। श्रीमती वंदना त्रिपाठी भी इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित थीं।

प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि हमारा परिसर पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग एवं सतर्क है। इस अवसर पर निटर भोपाल के संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी, बच्चों एवं एनडीआरएफ के सदस्यों ने भी शामिल होकर फलदार वृक्षों का रोपण किया एवं उनके संरक्षण एवं देखभाल का संकल्प लिया।

इन्डक्शन कार्यक्रम आयोजित

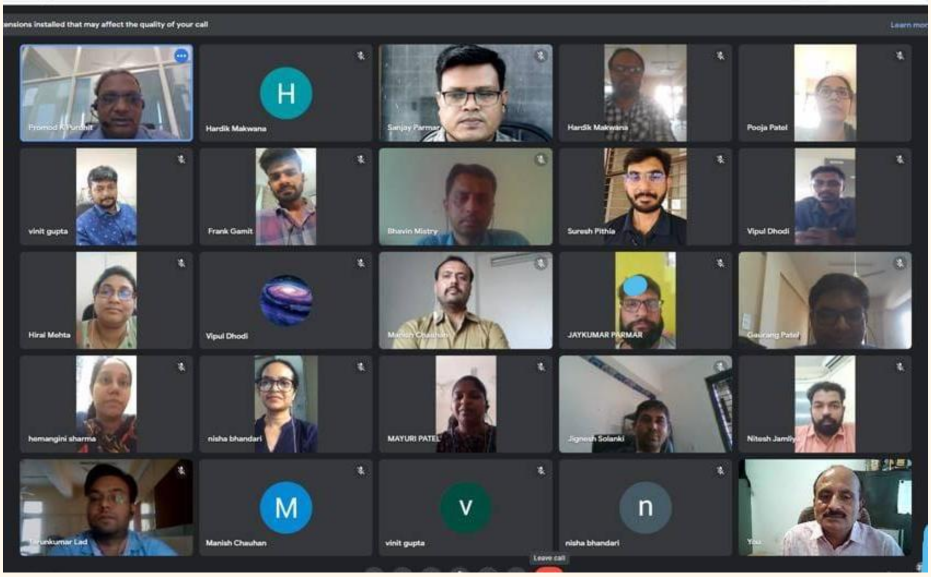

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 30 मई से 10 जून 2022 तक ''इंडक्शन फेस–1'' प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को शिक्षा प्रौद्योगिकी के विभिन्न आयामों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा तंत्र, तकनीकी शिक्षकों के दायित्व, पाठ्यक्रम संरचना, एनबीए एक्रीडिटेशन, उद्यमिता विकास, सलाह एवं मार्गदर्शन, सीखने के सिद्धांत, प्रश्न–पत्र संरचना, प्रयोगशाला प्रयोगों का निर्माण, सिखाने की विधियां, औद्योगिक प्रशिक्षण का प्रबंधन, कक्षा का प्रभावी प्रबंधन, संचार कौशल आदि विषयों पर चर्चा की गई। प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न विषयों पर अपना प्रस्तुतिकरण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 21 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के प्रथम समन्वयक डॉ. पी.के. पुरोहित थे एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. ए.के. जैन, प्रो. संजीत कुमार एवं डॉ. के. जेम्स मथाई ने सहयोग प्रदान किया।

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में आठवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संकाय सदस्य, अधिकारियों, कर्मचारियों, बच्चों ने योगाभ्यास में शामिल होकर स्वस्थ्य रहने का संदेश दिया। योग शिक्षिका सुश्री जया नेमा के मार्गदर्शन में सभी ने विभिन्न आसनों का अभ्यास करते हुए स्वस्थ्य तन–मन के लिए योग के महत्व को स्वीकार किया।

योग दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने अपने भेजे हुए संदेश में योग का महत्व बताते हुए कहा कि कई शोधों द्वारा यह साबित हो चुका है कि योग में लोगों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार लाने की क्षमता है तथा हमारी बदलती जीवनशैली को संतुलित रखने में योग की भूमिका महत्वपूर्ण है, उन्होंने कहा कि योग एक अभ्यास है यदि इसे हम अपने जीवन में शामिल करते हैं तो यह जीवन में आनंद, स्वास्थ्य और शांति लाता है। अपनी जीवन शैली में योग को अपनाकर अपने स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च में कमी कर सकते हैं एवं स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में पूरा योगदान दे सकते हैं।

संस्थान के पीआरओ प्रो. पी.के. पुरोहित ने यह जानकारी दी कि आठवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयुष मंत्रालय द्वारा 'मानवता के लिए योग' विषय के साथ मनाया जा रहा है। निटर भोपाल में प्रशिक्षित योग टीचर के मार्गदर्शन में हमेशा योग की ट्रेनिंग दी जाती है। इस अवसर पर श्रीमती वंदना त्रिपाठी, प्रो. के.के. जैन, प्रो. एस.एस. केदार, प्रो. एम.सी. पालीवाल, प्रो. हुसैन जीवाखान सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं संस्थान परिसर के बच्चे भी उपस्थित थे।

मल्टी डिसिपिलनरी रिसर्च पर व्याख्यान

राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज नागपुर यूनिवर्सिटी एवं नेक बैंगलुरु द्वारा दिनांक 20 से 21 जून 2022 को उच्च शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों में अभिनव शैक्षणिक प्रथाओं के माध्यम से गुणवत्ता संवर्धन पहल विषय पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में प्रो. बी.एल. गुप्ता ने बहु–विषयक शोध पर पाठ्यक्रम की संरचना पर व्याख्यान दिया। इस कार्यशाला में देशभर के विभिन्न संकायों के 70 प्राध्यापकों ने भाग लिया एवं अन्य ने ऑनलाईन माध्यम से भाग लिया। इस कार्यशाला में शोध पत्र भी प्रस्तुत किये गये।

संस्थान में आयोजित राजभाषा गतिविधियाँ

संस्थान में राजभाषा गतिविधियों के अंतर्गत दिनांक 09 मई 2022 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भोपाल जो कि नराकास क्र.01 का सदस्य कार्यालय है, के अनुरोध पर सदस्य सचिव द्वारा ''राजभाषा नीति के प्रमुख बिन्दु'' विषय पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम में श्री मनोज कुमार कुर्मी, निदेशक, डॉ. सुश्री मिश्रा विक्रम, श्री राजेश कुमार साहू, राजभाषा अधिकारी लगभग 30 कार्यालय के सदस्य उपस्थित थे।

नराकास क्र.01 के सदस्य कार्यालय भारतीय खेल प्राधिकारण, भोपाल में विषय विशेषज्ञ उपलब्ध कराए जाने के अनुरोध पर दिनांक 16 जून 2022 को पत्राचार संबंधित जानकारी विषय पर आईसर, भोपाल के राजभाषा अधिकारी श्री भारत भूषण देशमुख ने योगदान दिया।

दिनांक 22 जून 2022 को केन्द्रीय जल आयोग, पर्यावास भवन अरेरा हिल्स, भोपाल जो कि नाराकास क्र.01 का सदस्य कार्यालय है, के अनुरोध पर सदस्य सचिव द्वारा ''राजभाषा नीति एवं सरकारी कार्य में हिन्दी का प्रयोग'' विषय पर हिन्दी कार्याशाला में व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम में श्री मनोज तिवारी, अधीक्षण अभियंता, नर्मदा बेसिन संगठन, केन्द्रीय जल आयोग, एवं श्री विजय चौधरी, अधिशासी अभियंता, केन्द्रीय जल आयोग, भोपाल कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित थे। लगभग 30 कार्यालय के सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

माध्यम विकास एवं अनुसंधान शिक्षा विभाग

संस्थान के माध्यम विकास एवं अनुसंधान शिक्षा विभाग द्वारा म.प्र. उच्च शिक्षा संचालनालय की सहभागिता से रूसा परियोजना के तहत महाविद्यालयों में चल रहे शैक्षणिक कार्यकर्मों की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु विशेषज्ञों के वीडियो व्याख्यान कार्यक्रम बनाए जा रहे हैं। इनको मुख्यतः हिन्दी भाषा में बनाया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक छात्रों को इनका लाभ मिल सके। अप्रैल से जून माह तक चार विषयों के व्याख्यान रिकॉर्ड किये गए। डॉ. श्रीमती प्रियंका ओंकार द्वारा भूगर्भ शास्त्र, डॉ. संजय जोशी द्वारा समाजशास्त्र, डॉ रेनू वर्मा द्वारा गृहविज्ञान एवं डॉ. सीमा हर्डीकर द्वारा भौतिकशास्त्र के पाठ्यक्रम आधारित व्याख्यान रिकॉर्ड किये गए। संस्थान के वीडियो स्टूडियो में इनकी रिकॉर्डिंग की गई है एवं आउटडोर शॉट्स का उपयोग किया गया है। इनके सम्पादन में उच्च स्तर के ग्राफिक्स, एनीमेशन एवं वीडियो शॉट्स का उपयोग किया गया है। विगत दिनों संस्थान में स्थापित निटर–सीमेन्स उत्कृष्टता केंद्रों पर आधारित फिल्म निर्माण का कार्य भी शुरू किया गया है। विभाग द्वारा पूर्व में भी विभिन्न भाषाओं में मल्टीमीडिया शैक्षणिक संसाधनों का निर्माण विविध परियोजनाओं के तहत किया जाता रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भी संस्थान विभिन्न भाषाओं में संसाधनों के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है। निदेशक डॉ. सी. सी. त्रिपाठी द्वारा विभाग के संसाधनों एवं गतिविधियों की सराहना की गई एवं विभाग की अपनी पहुँच दूरस्थ विद्यार्थी एवं शिक्षकों तक कैसे बढ़े इस विषय में उन्होंने मार्गदर्शन दिया।

अकादमिक ऑडिट पर प्रशिक्षण

संस्थान के पाठ्यक्रम विकास व मूल्यांकन विभाग द्वारा दिनांक 30 मई से 03 जून, 2022 तक ''अकादमिक ऑडिट'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ऑनलाइन मोड में किया गया। प्रो. बी. एल. गुप्ता इस कार्यक्रम के समन्वयक थे व डॉ. अंजु रौले ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया। इस कार्यक्रम में 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

पाठ्यक्रम विकास पर कार्यशाला

संस्थान के पाठ्यक्रम विकास व मूल्यांकन विभाग द्वारा 'पाठ्यक्रम विकास पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम'' दिनांक 11–13 अप्रैल, 2022 को शासकीय पॉलिटेक्निक, औरंगाबाद में आयोजित किया गया। इसमें 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रो. अंजु रौले इस कार्यक्रम की समन्वयक थीं व प्रो. जे. पी. टेगर ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत "पाठ्यक्रम व मूल्यांकन सुधार" पर विस्तृत चर्चा की गई। परिणाम आधारित नवीन शिक्षा नीति के कई बिंदुओ को समाहित करने के बारे में बताया गया। परिणाम आधारित पाठ्यक्रम विकास की संपूर्ण प्रक्रिया के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया गया।

पाठ्यक्रम विकास पर प्रशिक्षण

संस्थान के पाठ्यक्रम विकास व मूल्यांकन विभाग द्वारा 'पाठ्यक्रम विकास पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम'' दिनांक 10 से 12 मई, 2022 को शासकीय पॉलिटेक्निक, औरंगाबाद में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 40 तकनीकी शिक्षक/प्रतिभागियों ने भाग लिया। शिक्षकों के द्वारा "परिणाम आधारित पाठ्यक्रम" के संबंध में उद्योग द्वारा प्रश्नावली तैयार की गई तथा पाठ्यक्रम को नया स्वरुप देने के लिए एक प्रारूप भी तैयार किया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. जे. पी. टेगर थे एवं प्रो. अंजू रौले ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

नई शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा में पाठ्यचर्या, मूल्यांकन सुधार एवं चुनौतियां

संस्थान के पाठ्यक्रम विकास व मूल्यांकन विभाग के द्वारा दिनांक 6 से 10 जून, 2022 को '' नई शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा में पाठ्यचर्या, मूल्यांकन सुधार एवं चुनौतियां'' विषय पर ऑनलाइन कार्यक्रम अयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र तथा गुजरात के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष में आयोजित किया गया जिसका सभी प्रतिभागियों ने लाभ लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जे. पी. टेगर तथा डॉ. अंजु रौले ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोत

संस्थान के इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 25–29 अप्रैल 2022 को ''ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोत'' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत के महत्व एवं कार्य प्रणाली के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ए. एस. वाल्के एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. हुसैन जीवाखान ने सहयोग प्रदान किया।

परिणाम आधारित शिक्षा के लिए इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में प्रयोगशाला प्रयोगों का विकास

संस्थान के इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 23–27 मई 2022 को परिणाम आधारित शिक्षा के लिए ''इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में प्रयोगशाला प्रयोगों का विकास विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 14 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को परिणाम आधारित शिक्षा के लिये इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में लैब एक्सपेरिमेंट का विकास के साथ–साथ प्रयोगशाला कार्यों का मूल्यांकन इत्यादि के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ए. एस. वाल्के एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. (श्रीमती) सूसन एस. मैथ्यू ने सहयोग प्रदान किया।

शिक्षण और उद्योग में व्यावसायिक नैतिकता और मूल्य पर प्रशिक्षण

संस्थान के विस्तार केन्द्र गोवा में दिनांक 23–27 मई 2022 को ''शिक्षण और उद्योग में व्यावसायिक नैतिकता और मूल्य'' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षण के साथ–साथ उद्योग में नैतिकता और मूल्यों को विकसित करना और एनबीए एक्रीडिटेशन में सहयोग प्रदान करने पर आधारित था। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ऐलन संजय रोचा एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. निशीथ दुबे ने सहयोग प्रदान किया।

ग्रीन बिल्डिग कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी

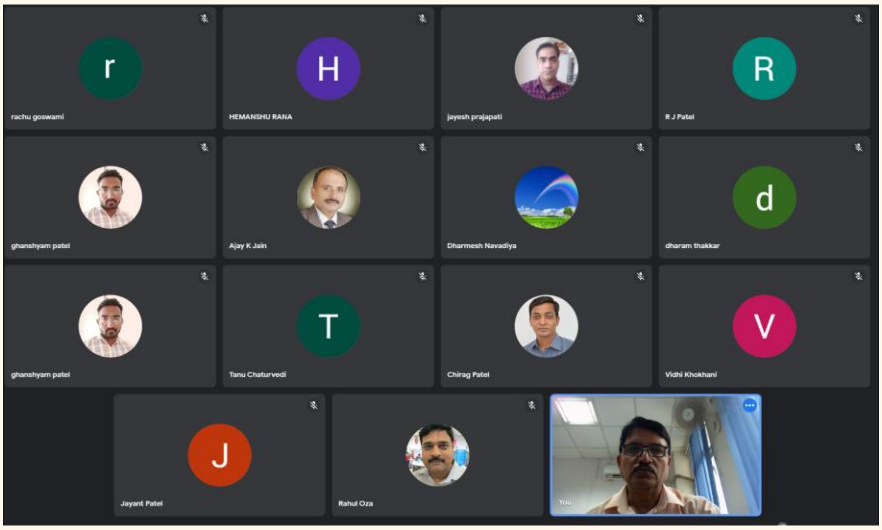

संस्थान के सिविल एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 25–29 अप्रैल 2022 तक ग्रीन बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाईन मोड में किया गया। इसमें गुजरात, मध्यप्रदेश और आसाम के पॉलीटेक्निक एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों के 16 संकायगण ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में हरित निर्माण सामाग्री, हरित निर्माण संरचना, वर्षा जल संचयन, निर्माण में अपशिष्ट पदार्थ का उपयोग, कम लागत के निर्माण सामग्री आदि विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एम. सी. पालीवाल, थे एवं डॉ ए. के. जैन ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

सिविल इंजीनियरिंग हेतु नवाचारी प्रयोगों का निर्माण

संस्थान के सिविल एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 13–17 जून 2022 तक

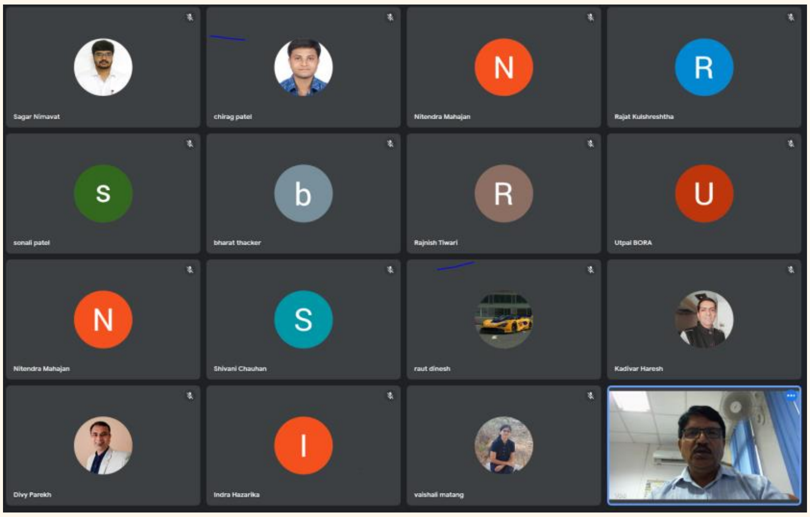

सिविल इंजीनियरिंग हेतु नवाचारी प्रयोगों का निर्माण विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाईन मोड में किया गया। इसमें गुजरात, मध्यप्रदेश और आसाम के पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों के 15 संकायगण ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रयोगशाला कार्य की परियोजना बनाना, प्रयोगों का निर्माण करना, आभासी प्रयोगशाला हेतु प्रयोगों का निर्माण, प्रयोगशाला प्रयोग के प्रकार, प्रयोगशाला के कार्य का आकलन एवं पाठ्यचर्या विश्लेषण इत्यादि पर विषयों पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एम. सी. पालीवाल थे तथा डॉ. वी. डी. पाटिल ने संकाय सदस्य के रूप में प्रदान किया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 93वीं तिमाही बैठक

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 93वीं तिमाही बैठक दिनांक 24 जून 2022 को कमेटी कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने संस्थान की शैक्षणिक सामाग्री का मातृभाषा हिन्दी में अनुवाद किए जाने का सुझाव दिया। डॉ. पी.के. पुरोहित ने संस्थान में हिन्दी प्रकोष्ठ के गठन, अनुवादक की नियुक्ति का सुझाव दिया एवं सभी विभागों से आग्रह किया कि संस्थान की राजभाषा पत्रिका हेतु विभागीय गतिविधियों की जानकारी अनिवार्य रूप से एवं समय पर भेजें।

इंडक्शन फेज़–2

संस्थान के सिविल एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 23 मई से 03 जून 2022 तक ''इंडक्शन फेज़–2'' प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 23 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के प्रथम सप्ताह के समन्वयक डॉ. वी. डी. पाटिल थे एवं डॉ बशीरउल्ला शेख ने संकाय सदस्य के रूप में सहयोग प्रदान किया। द्वितीय सप्ताह के समन्वयक डॉ जीवा हुसैन खान एवं डॉ सुब्रत रॉय ने संकाय सदस्य के रूप में सहयोग प्रदान किया।

सेवानिवृत्ति पर बधाई एवं शुभकामनाए

संस्थान में दिनांक 30 जून 2022 को श्री पुरूषोत्तम जायसवाल, डुप्लीकेटिंग ऑपरेटर के सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई समरोह का आयोजन किया गया। इसमें संस्थान के समस्त संकाय, अधिकारिगण व कर्मचारीगण सम्मिलित हुए।

श्री पुरूषोत्तम जायसवाल लगभग 29 वर्षों की सेवा के उपरान्त एस्टेट एवं इन्फ्रास्ट्रेक्चर मैनेजमेंट कार्यालय से सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने वर्कसेन्टर, मेन्टेनेन्स विभाग, रिसेप्शन डेस्क सहित कई जगहों पर अपनी सेवाऐं दी हैं।

मंचासीन सभी सदस्यों ने श्री पुरूषोत्तम को शॉल, फूलमाला पहनाकर, श्रीफल, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति–पत्र एचं सेवानिवृत्ति लाभ की फाइल भेंट कर सम्मान किया। निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में खुशी जाहिर करते हुए उनके परिवार के सदस्यों का धन्यवाद दिया एवं उनकी सेवाऐं व योगदान की सराहना करते हुए उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाल जीवन की मंगलकामनाएं दीं।

संस्थान में आयोजित विभिन्न गतिविधियां

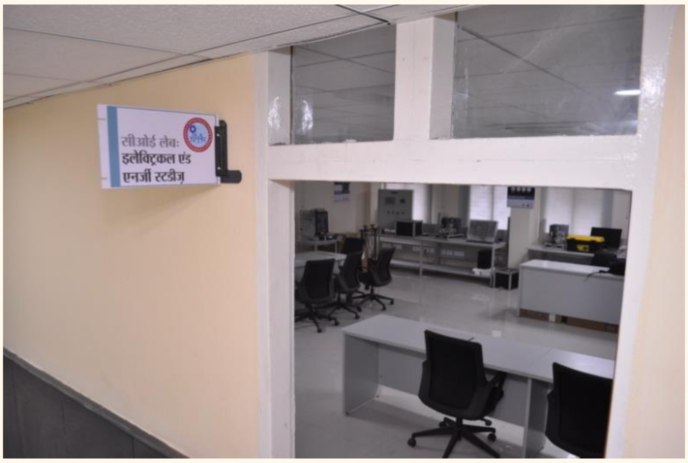
सीओई लैब:
इलेक्ट्रिकल एंड
एनर्जी स्टडीज़

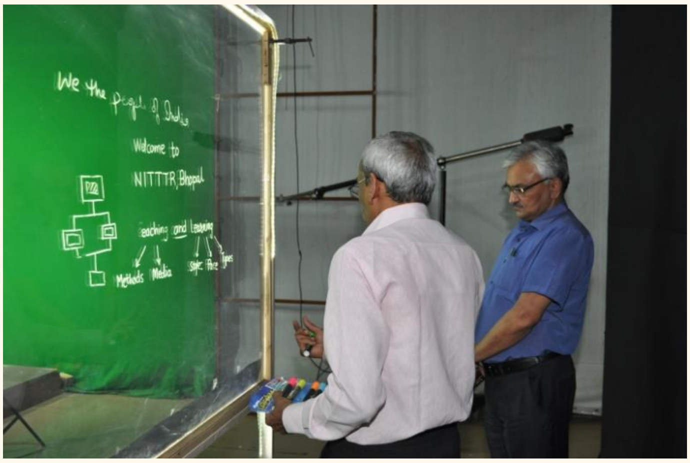
We the people of India
Welcome to
NITTTR Bhopal
Teaching and Learning
Methods
Media

58वाँ स्थापना दिवस
7 अप्रैल 2022
e-PODIUM

विदाई समारोह

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
MINISTRY OF EDUCATION
भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र योजना
I4C: Indian Cyber Crime Coordination Center
डिजिटल भारत के उद्देश्य में साइबर क्राइम एक बड़ी बाधा बनकर सामने आयी है
जिससे निपटने के लिए गृह मंत्रालय ने वेब पोर्टल एवं हेल्पलाइन नंबर जारी किया है
24x7 Toll-free No.: 1930
Website: www.cybercrime.gov.in
Social Media:
/CyberDostI4C
@Cyberdost
cyberdosti4c
cyberdostI4C

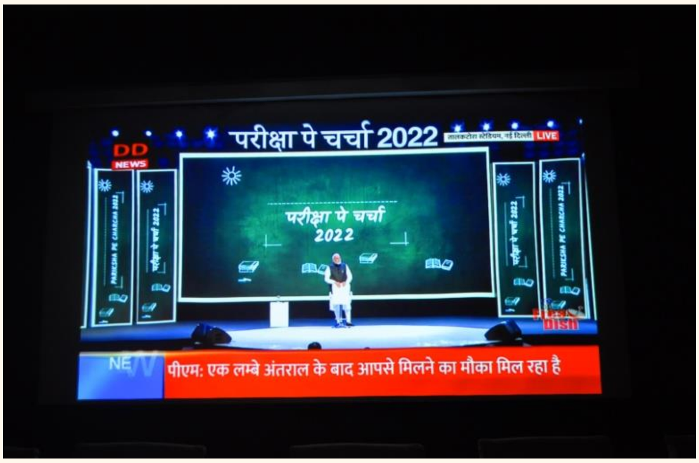
परीक्षा पे चर्चा 2022
LIVE
DD NEWS
परीक्षा पे चर्चा 2022
PARIKSHA PE CHARCHA 2022
पीएम: एक लम्बे अंतराल के बाद आपसे मिलने का मौका मिल रहा है

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
INTERNATIONAL DAY OF YOGA
21st June

11
NDRF

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
INTERNATIONAL DAY OF YOGA